



# कामवासना पीड़िता के जीवन में बहार-3

“मेरे प्यासे जीवन में ज़िम ट्रेनर बहारें भर रहा था.  
उसने मेरे साथ किस तरीके से सेक्स किया, मुझे कितना  
मजा दिया, क्या क्या किया. पढ़ कर मजा लें! लेकिन  
एक दिन उसने मुझे बताया कि ... ..”

**Story By:** (ruparathore)

**Posted:** Thursday, January 3rd, 2019

**Categories:** [हिंदी सेक्स स्टोरी](#)

**Online version:** [कामवासना पीड़िता के जीवन में बहार-3](#)

# कामवासना पीड़िता के जीवन में बहार-3

इस कहानी का पिछला भाग : [कामवासना पीड़िता के जीवन में बहार-2](#)

कितनी देर हम एक दूसरे को चूसते रहे, एक दूसरे के जिस्म को सहलाते रहे। अब जब इस मुकाम पर हम पहुँच गए थे तो पीछे जाने का तो सवाल ही पैदा नहीं होता था।

उसने मुझे उठा कर खड़ा किया और अपने हाथों से मेरी ड्रेस उतारने लगा। वैसे मैं तो पहले से ही तैयारी करके आई थी। अपने बदन की फुल वेक्सिंग करवा कर। मुझे पता तो था कि एक न एक दिन वो मुझसे बात ज़रूर करेगा, पर इस तरह से हमारी चुदाई से ही बात शुरू होगी, ये मुझे पता न था। मगर मैं तो अपना बदन चिकना करके ही आई थी।

मेरी टी शर्ट, निक्कर, स्पोर्ट्स ब्रा और पेंटी, उसने सब उतार कर मुझे एकदम नंगी कर दिया। मुझे कोई शर्म नहीं थी, मैं तो खुद बहुत चुदासी हो रही थी।

वो भी उठ कर खड़ा हुआ, उसने अपने भी कपड़े उतारे, वो भी नंगा हो गया। बेहद आकर्षक और मसकुलर बदन, एक एक मसल बड़ी शेप में और उभर कर बाहर निकला हुआ। और सबसे बढ़िया उसका लंड। झांट शायद कुछ दिन पहले ही शेव की होंगी इसलिए हल्के हल्के बाल तो थे, मगर मुझे तो पूरी झांट से भी कभी कोई दिक्कत नहीं हुई थी। मुझे तो बस कड़क लंड की भूख होती थी।

और यह तो बहुत ही शानदार लंड था, रंग में भूरा काला सा, गुलाबी टोपा, आधा लंड तो सीधा, मगर ऊपर को मुड़ा हुआ था। था ज़रूर, लंबा, मोटा, मजबूत, मगर थोड़ा सा ऊपर

को मुड़ा हुआ। मैंने सीधे लंड तो लिए थे, मगर पहली बार कोई टेढ़ा लंड देखा था।

मैंने पूछा- ये कैसा है, टेढ़ा सा ?

वो अकड़ कर बोला- जब घी सीधी लुल्ली से नहीं निकलता तो लंड को टेढ़ा करना पड़ता है।

मैं नीचे बैठी और उसका लंड अपने हाथ में पकड़ा, पहले उसको चूमा और फिर अपने मुँह में ले लिया।

मैंने उसका लंड चूसा तो वो बोला- बहुत चुदासी हो रही हो ?

मैंने कहा- हाँ, बरसों बीत गए।

हालांकि अपने पति के सालाना सेक्स और अपने पति के दोस्त के साथ किया हुआ व्यभिचार मैंने छुपा लिया।

फिर वो भी अपनी कमर हिला हिला कर मेरा मुँह चोदने लगा। मुझे तो अच्छा लगता है, मुँह में लंड लेना और उसे गले तक निगल जाना। उसने अपना लंड मेरे मुँह से निकाला और अपने आँड मेरे मुँह पर रख कर बोला- चूस इसे कुतिया।

मैंने बारी बारी से उसके मोटे मोटे गोटे अपने मुँह में लेकर चूसे। वो मेरे सर को ऐसे सहला रहा था जैसे कुतिया की पीठ को सहलाते हैं, वैसे भी वो मुझे एक बार कुतिया तो बोल ही चुका था।

लंड चुसवाते हुये हुये अचानक उसने मुझे धक्का दिया तो मैं नीचे गिर पड़ी, वो तेज़ी से आगे आया और मेरी दोनों टाँगें पकड़ कर एक झटके से खोली। मुझे अचम्भा सा लगा, मगर उसने आगे बढ़ कर मेरी चूत को अपने मुँह में भर लिया जैसे वो मेरी फुद्दी को खा जाना चाहता हो।

उसने मेरी फुद्दी के दोनों होंठ अपने मुँह में भर लिए और फिर अपनी जीभ मेरी फुद्दी के अंदर डाली। पहले से ही पानी पानी हुई फुद्दी जो मर्द की जीभ के छूने से ही भड़क गई,

और मैं भी तड़प उठी।

जितनी हो सकता था, वो अपनी जीभ मेरी फुद्दी के अंदर डाल कर चाट रहा था। चप्प चप्प की आवाज़ से वो मेरी फुद्दी खा रहा था, कभी कभी मेरी फुद्दी के होंटो को अपने दांतों से काटता जैसे, उसे चबा जाना चाहता हो। मगर साला अपनी जीभ से मुझे मज़े पर मज़ा दे रहा था।

मेरे दोनों मम्मों को अपने सख्त हाथों से मसले जा रहा था। मेरे निप्पल खींचता, जैसे उन्हें मेरे मम्मों से तोड़ लेना चाहता हो। मैंने भी उसके सर के बाल अपने हाथों से पकड़ रखे थे, जो मैं जब भी आनन्द में सरोबार होती तो खींच देती।

अगर वो मुझे दर्द और मज़ा दे रहा था तो मैं भी उसको और दर्द और मज़ा देने के लिए प्रोत्साहित कर रही थी।

फिर मैंने कहा- बस करो यार, मैं मर जाऊँगी, बस ऊपर आ जाओ अब। अब बर्दाश्त नहीं हो रहा।

वो बोला- क्यों साली, बहुत तड़प रही है अपनी माँ चुदवाने को ?

मैंने कहा- माँ, बहन जो करनी है कर लो। पर मुझे टंडी करो अब। अब अंदर डाल दो बस।

वो मेरे ऊपर आया तो मैंने खुद ही उसका लंड पकड़ा और अपने फुद्दी पर रख लिया।

“साली देखो, कैसे लंड लेने को मरी जा रही है !” वो बोला।

मैंने उसके लंड का टोपा अपनी फुद्दी पर रखा और अपनी कमर ऊपर को उठाई, तो उसके लंड का टोपा थोड़ा सा मेरी फुद्दी के अंदर को चला गया।

वो बोला- सब्र कर मेरी रानी ... पूरा अंदर तक पेल दूँगा।

मैंने कहा- तो इंतजार किस बात का है मेरे राजा ? पेल दो बस।

और फिर जब उसने अपनी कमर का ज़ोर लगाया, एक बार में ही उसका सारा लंड मेरी गीली चूत में घुस गया। ऐसे लगा जैसे उसका लंड मेरे पेट के अंदर तक जा पहुंचा हो।

मैंने आँखें बंद कर ली। बहुत आनन्द, बहुत संतुष्टि मिली मुझे।

प्लास्टिक के लंड से फुद्दी तो भर जाती है, मगर मर्द के जिस्म का वजन, जो आप अपने ऊपर महसूस करती हो, वो नहीं होता। उसके बदन की गंध, उसकी बालों वाली जांघों का आपकी कोमल जांघों पर रगड़, उसके पेट का आपके पेट के ऊपर दबाव। उसके हाथों से अपने मम्मों का मसला जाना। उसका आपके होंठों को चूस जाना, चबा जाना। ये सब प्लास्टिक के लंड में कहाँ।

खैर आज मैं अपने ट्रेनर के नीचे नंगी लेटी थी। वो अपनी कमर चलाने लगा। उसके मुड़े हुये लंड का टोपा मेरी फुद्दी के अंदर ऊपर को घिस रहा था। बेशक पहले भी मुझे वहाँ लंड के घिसने से मजा आता है, मगर ये तो बिल्कुल ही ऊपर को मुड़ा था, तो कुछ ज्यादा ही घिस रहा था और उसके घिसने से मेरे सारे बदन में सनसनाहट हो रही थी। मुझे लग रहा था कि मैं ज्यादा देर टिक नहीं पाऊँगी।

और वही हुआ, सिर्फ 5 मिनट की चुदाई में ही मैं झड़ गई। अब मैं और वो दोनों जिम में अकेले थे। तो मुझे भी बिना किसी शर्म के ज़ोर ज़ोर से शोर मचाने में कोई दिक्कत नहीं थी। जब मैं झड़ी तो मैं खूब बोली- आआ ... मर गई हाय मेरी माँ ... आह ... चोद साले, ज़ोर से चोद ... फाड़ दे आज मेरी, मार ... ज़ोर से मार ... मार डाल मुझे साले कुत्ते ... चोद मेरी फुद्दी को! आह ... आहा!

और जब तक मैं उसके नीचे पड़ी तड़पती रही, मैं भोंकती रही। वो मुझे पेलता रहा, मैं बोलती रही। जब मेरी फुद्दी ने पानी छोड़ना बंद कर दिया, मैं ठंडी हो गई, तृप्त हो गई, शांत हो गई।

उसने मुझे उल्टा करके लेटाया।

मैं उल्टी लेट तो गई पर मैंने पूछा- क्या करने वाले हो?

वो बोला- तेरी गांड मारूँगा।

मैंने कहा- नहीं यार, मैंने कभी नहीं मरवाई, मेरी गांड मत मारना ।

वो बोला- पर मेरा तो मूड है ।

मैंने कहा- चल फिर कभी सही, पर आज नहीं ।

वो मेरी बात मान गया । उसने अपना लंड पीछे से मेरी फुद्दी पर रखा और अंदर डाल दिया । फिर उसने चुदाई शुरू की ।

यार क्या दमदार ज़बरदस्त चोदू था वो ! मैं औंधे मुँह लेटी थी और वो मेरी गांड के ऊपर बैठा था और पीछे से अपनी पूरी ताकत और रफ्तार से मुझे चोद रहा था ।

इतना दम तो न मेरे पति में है, और न ही उनके उस कमीने दोस्त में था । ये तो ऐसा था जैसे कोई मशीन हो । 'ठप्प ... ठप्प ... ठप्प ... ठप्प !' की आवाज़ आ रही थी . जब उसकी कमर गांड पर प्रहार करती । मेरे चूतड़ों की चर्बी थलल थलल हिल रही थी । चूतड़ों की क्या, सारे बदन की चर्बी हिल रही थी ।

आनन्द से भरी, उसके प्रेम में भीगी मैं तो ऐसे महसूस कर रही थी, जैसे मैं स्वर्ग में हूँ । पति पहले तो बहुत पेलते थे, मगर सिर्फ एक दिन में एक बार ही करते थे । अगर मेरा और मूड होता तो अगले दिन तक इंतज़ार करना पड़ता । मगर इसने एक बार तो मुझे फारिग कर दिया और इसकी इस दमदार चुदाई से मेरी फुद्दी फिर से पानी पानी हो गई ।

मैं दोबारा, फिर उसी हालात में थी, जिसमें मैं 10 मिनट पहले अपने पहले स्वलन से पहले थी । उल्टी लेटने की वजह से मेरी फुद्दी पहले से टाईट हो गई थी, तो अब उसका लंड मेरी फुद्दी में ज्यादा रगड़ कर जाता, कुछ मैं अपनी फुद्दी को भींच लेती तो जैसे उसका लंड मेरी फुद्दी में अटक जाता । जिसे वो ज़ोर लगा कर बाहर को खींचता तो लगता जैसे मेरी फुद्दी भी उलट कर बाहर को निकल आएगी ।

वो बोला- तू साली पूरी कुतिया है, मुझे तो लग रहा है, झड़ने के बाद कहीं मेरे लौड़े को

अपनी फुद्दी में न फंसा ले तू, जैसे कुतिया फंसा लेती है।

मैं हंस पड़ी तो उसने एक जोरदार थप्पड़ मेरे चूतड़ पर मारा। दर्दनाक था मगर मुझे इसमें भी मज़ा आया। एक हल्की सी चीख 'आह ...' मेरे मुँह से निकली, मगर इससे भी उसे कोई फर्क नहीं पड़ा, उसने कई बार मेरी गांड कूटी, कई चांटे मेरे चूतड़ों पर मारे। नीचे हाथ डाल कर मेरे मम्मों को बेदर्दी से मसला। वो सिर्फ मेरे मम्मों को दबा कर मज़ा नहीं ले रहा था, बल्कि मेरे मम्मों को निचोड़ कर जैसे उनमें से दूध निकाल देना चाहता हो।  
खूब जम चुदाई हुई मेरी।

अब मैं एक घरेलू औरत, पहली बार में 5 मिनट की चुदाई से झड़ गई थी, अब 7-8 मिनट की चुदाई के बाद मैं फिर से उछलने लगी। मुझे लग रहा था कि बस अब अगले ही पल मैं झड़ने वाली हूँ।

और फिर हुआ भी वैसा ही। मैं फिर तड़प उठी, मगर उसने मुझे अपनी पूरी ताकत से अपने नीचे दबा कर रखा और मुझे पर उसका पूरा काबू था। मैं नीचे ही तड़पती रही छटपटाती रही मगर उस मुश्किल के काबू से मैं खुद को छुड़ा न सकी और नीचे ही 'ऊह ... आह ... हाय ...' करती मैं झड़ गई।

मगर वो तो अभी भी लगा हुआ था। करीब 10 मिनट और उसने मुझे चोदा और फिर अपने गर्म वीर्य से मेरी प्यासी फुद्दी को ऊपर तक भर दिया। बहुत माल छोड़ा उसने।

जब वो झड़ गया, तो मेरे ऊपर ही लेट गया। 80-90 किलो वज़न तो होगा उसका। मुझे तो जैसे उसने आटे तरह गूँथ कर रख दिया था। कितनी देर वो मेरे ऊपर लेटा रहा, फिर एक तरफ को गिर गया और मुझे तो जैसे अब सांस आया।

कितनी देर मैं लेटी उस शानदार मर्द को देखती रही जिसने सेक्स की वो सौगात मुझे दी थी जिसके बारे में मैंने कभी सोचा भी नहीं था।

उसके बाद तो हमारी ये रोज़ की ही बात हो गई। अब मैं जिम में एक्सरसाइज़ करने नहीं सेक्सरसाइज़ करने जाती थी। मैं रोज़ जाती और वो रोज़ मुझे चोदता। फिर तो मैं भी पूरी खुल गई, मैं भी खुल कर उससे चुदवाती। अपनी हर कामुक इच्छा मैंने उस से पूरी की, अपनी हर तरह की प्यास उससे बुझाई।

और फिर एक दिन उसने मेरी गांड भी मार ली। दर्द तो हुआ मगर मैंने बर्दाश्त कर लिया। अब तो वो मेरे तीनों छेदों में चुदाई करता। पहले फुद्दी मारता, फिर गांड मारता, और अंत में मेरा मुँह चोदता और अपना सारा माल मेरे गले में अपना टेढ़ा लंड अंदर तक डाल कर गिराता।

एक दिन जब हम सारा कुछ करके नंगे ही लेटे आपस में प्यार भरी बातें कर रहे थे, तो मैंने उस से पूछ लिया- यार यह बताओ, जिम में और भी इतनी औरतें और लड़कियां आती हैं, तुमने मेरे साथ ही करना क्यों पसंद किया ?

वो बोला- अगर मैं तुम्हें सच्चाई बताऊँगा, तो तुम्हें बुरा लग जाएगा।

मैंने कहा- अरे यार, बताओ न मैं बुरा नहीं मानूँगी।

वो बोला- मुझे तुम्हारे साथ ये सब करने के लिए, तुम्हारे बेटे ने ही कहा था।

मैं तो हैरान रह गई उसकी बात सुन कर ... “मेरे बेटे ने कहा था ? क्यों ?” मैंने उससे पूछा।

तो उसने मुझे बताया :

उसने देखा था जब तुम्हारा अपने पति के एक दोस्त के साथ चक्कर चल रहा था, तो वो कैसे तुम्हें जलील करता था. और जब वो तुम्हारा साथ छोड़ गया तो कैसे तुम तड़पती थी, कभी उस नकली लंड से कभी अपने हाथ से तुम अपने आप को शांत करने की कोशिश करती। इसी वजह से उसके दिल में था कि अगर कभी उसको मौका मिला तो अपनी माँ को वो हर सुख देने का प्रयास करेगा जो उसे चाहिए।

जब उसने मेरा जिम जॉइन किया तो हम दोनों ने इसमें बहुत से काम किए, एक काम था



सारे जिम में सीसीटीवी कैमरे लगाने। मगर वो बहुत चालाक था, उसने एक कैमरा उस जगह लगाया, जो चेंजिंग रूम के ऊपर था, और जब मैं ऑफिस में नहीं होता, तो चेंजिंग रूम के औरतों और लड़कियों को कपड़े बदलते देखता। इसके अलावा, वर्किंग एरिया में लड़कियों को एक्सरसाइज़ करते भी देखता।

धीरे धीरे जब हमारी दोस्ती गहरी होती गई तो उसने मुझे भी ये सब दिखाया। तो फिर हम साथ में बैठ कर औरतों और लड़कियों के जिस्म ताड़ते। फिर एक दिन उसने मुझे दोस्ती का वास्ता दे कर, एक मदद मांगी। मैंने हाँ कही तो उसने मुझे तुमसे सेक्स करने की बात करी। मुझे बड़ी हैरानी हुई कि कैसे लड़का खुद ही किसी गैर मर्द को अपनी माँ चोदने के लिए कह रहा था।

मगर अब दोस्ती की बात थी तो मैंने भी उसे वादा किया कि मैं उसका राज़ राज़ रखूँगा। फिर उसने तुम्हें मेरा जिम जॉइन करवाया। और उसके बाद धीरे धीरे वो मुझे तुम्हारे बारे में और तुम्हें मेरे बारे में बताता गया। उसकी मर्जी से तुम्हारे शाम का टाईम दोपहर का किया, गया क्योंकि दोपहर को कोई जिम में होता नहीं और इस वक़्त हम अकेलेपन का फ़ायदा उठा कर वो सब कर सकेंगे जो वो देखना चाहता था।

मैं एकदम चौंकी- देखना चाहता था ... मतलब ?

वो बोला- रूपा, आज तक हमने जितनी बार भी सेक्स किया, तुम्हारा बेटा मेरे ऑफिस में बैठा सीसीटीवी पर हमारी हर हरकत को देख रहा था।

मैं तो उसकी बात सुन कर सन्न रह गई। तो क्या मेरे बेटे ने मुझे नंगी देखा है, मुझे गैर मर्दों से चुदवाते, अपनी कामक्षुधा को अपने हाथ या नकली लंड से शांत करते देखा है। मतलब मेरे बेटे मेरी हर बुराई देखी है।

मैं बहुत शर्मिंदा हुई और दुख और शर्म के मारे रोने लगी।

तो मुझे ट्रेनर ने कहा- रोओ मत, तुम्हारा बेटा तुम्हें सुखी देखना चाहता है, खुश देखना चाहता है। बस तुम खुश रहो।

मैंने उससे पूछा- क्या वो मेरी तरफ सेक्सुअली आकर्षित है, क्या वो भी मेरे साथ सेक्स करना चाहता है ?

वो बोला- नहीं, वो बेशक तुम्हें नंगी देख कर, सेक्स करते देख कर अपना लंड हिलाता है, मगर वो तुमसे सेक्स नहीं करना चाहता। वो कहता है कि सेक्स तो मैं अपनी पत्नी से ही करूंगा।

मैं कितनी देर उससे और भी बातें करती रही, उससे बहुत कुछ पूछती रही। मुझे नहीं पता था कि मेरी चुदाई के लिए मेरा ही बेटा एक साजिश रच रहा था। मगर इस साजिश में उसका अपना कोई फायदा नहीं था, वो तो ये सब सिर्फ मेरी खुशी के लिए कर रहा था।

जब मैं घर वापिस गई तो मैं अपने बेटे से नज़रें चुराती फिर रही थी। मगर हमारे बीच कोई बात नहीं हुई, कुछ ही दिनों में सब सामान्य हो गया। अब भी मैं संदीप के साथ अफेयर में हूँ और हर दूसरे तीसरे दिन चुदवाती हूँ। पहले से मैंने अपना 20 किलो वज़न कम कर लिया है। अब तो मैं काफी स्लिम और स्मार्ट दिखती हूँ। अब तो जब मैं सेक्स जिम में सेक्स कर रही होती हूँ, मुझे पता होता है कि मेरे बेटा मुझे देख रहा है, मैं कैमरे की तरफ देख कर मुस्कुरा देती हूँ। एक 'थैंक यू स्माइल' अपने बेटे को उस सीसीटीवी कैमरे के जरिये भेज देती हूँ।

ruparathore42@gmail.com

## Other stories you may be interested in

### ममेरी भाई की शादी में बहन की गांड मारी

दोस्तो मेरा नाम है सूर्या सोनी ... मैं राजस्थान से हूँ. मैं काफी साल से अन्तर्वासना पर पोर्न कहानियां पढ़ रहा हूँ तो मैंने भी सोचा कि क्यों ना मैं भी मेरे पुराने हसीन पलों को आपके साथ शेयर करूँ! [...]

[Full Story >>>](#)

### हवसनामा : मेरी तो ईद हो गयी

मेरे अजीज़ दोस्तो, आपने मेरी पिछली कहानी नंगी आरजू पढ़ी और पसंद की. आप सबका दिल से शुक्रिया. इस कहानी के साथ ही मैं यानि कि आपका इमरान एक नया सिलसिला शुरू कर रहा हूँ 'हवसनामा' नाम से ... जिसमें [...]

[Full Story >>>](#)

### मेरी प्रेयसी और मैं: दो बदन एक जान-2

कहानी का पिछला भाग : मेरी प्रेयसी और मैं: दो बदन एक जान-1 "अच्छा ... तो अब आपके ईमान मुझे ठीक नहीं लग रहे !मेरी साड़ी आपने उतार ही दी है और मेरी चूत को भी ना के बराबर के कपड़ों [...]

[Full Story >>>](#)

### बेस्ट फ्रेंड की खेत में चुदाई

दोस्तो, आप सब कैसे हैं. मैं उम्मीद करता हूँ, सब चूत और गांड की चुदाई करके मस्त होंगे. मेरा नाम मैक है, ये मेरा बदला हुआ नाम है. मैं सूरत के नजदीक की जगह बारडोली का रहने वाला हूँ. मेरी [...]

[Full Story >>>](#)

### पति से गांड चुदवाकर मदमस्त हो गयी

कहानी पढ़ने वाले सभी पाठकों को मेरा नमस्कार. मैं प्रतिभा सोलापुर से हूँ. आज मैं आप सभी के सामने मेरी गांड चुदाई की घटना लेकर हाजिर हुई हूँ. यह चुदाई की कहानी मेरे पति और मेरे बीच की है. मैं [...]

[Full Story >>>](#)

